INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VI(2nd lang.)	**Department: Hindi**	
पाठ-10 मैया मैं नहिं माखन खायो (पद)	Topic **-**प्रश्नोत्तर	Note: Pl. write in your note book.

पाठ- 10 मैया मैं नहिं माखन खायो (पद)

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1- गैयन का क्या अर्थ है?
उत्तर- गैयन का क्या अर्थ - गाय है।

प्रश्न 2- इस पद के कवि का नाम क्या है?
उत्तर- इस पद के कवि का नाम सूरदास है।

प्रश्न 3- श्रीकृष्ण गाय चराने किसके साथ जाते हैं?
उत्तर - श्रीकृष्ण गाय चराने ग्वाल-बालों के साथ जाते हैं।

प्रश्न 4-श्रीकृष्ण का मुख किसने माखन से लपटाया?
उत्तर - श्रीकृष्ण का मुख ग्वाल-बालों ने माखन से लपटाया ।

प्रश्न 5- कविता में किसने कहा, "मैया मैं नहिं माखन खायो"?
उत्तर - कविता में श्रीकृष्ण ने कहा, "मैया मैं नहिं माखन खायो"

प्रश्न 6-श्रीकृष्ण कितने पहर गाएँ चराते थे?
उत्तर - श्रीकृष्ण चार पहर गाएँ चराते थे

लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. अंत में, यशोदा ने श्रीकृष्ण को क्या किया?
उत्तर - अंत में, यशोदा ने श्रीकृष्ण की मासूमियत भरी बातें सुनकर हँसते हुए उन्हें अपने गले से लगा लिया।

प्रश्न 2. उस समय गाँव में मक्खन कहाँ रखा जाता था ?
उत्तर - उस समय मक्खन गाँव मे छत या ऊँचाई से लटकाए गए छीकों में रखा जाता था।

प्रश्न 3- 'लकुटि कमरिया' का क्या अर्थ है ?
उत्तर - 'लकुटि' छोटी लाठी को कहते हैं। 'कमरिया' छोटा-सा कंबल होता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 5. श्रीकृष्ण ने अपनी माँ को कैसे बताया कि उन्होंने माखन नहीं खाया?

उत्तर - श्रीकृष्ण ने अपनी माँ को बताया कि वे सुबह से गायों के पीछे मधुबन गए थे और चार पहर तक बंसीवट के पास भटकते रहे। शाम को वे घर लौटे और वे छोटे बालक हैं, उनके लिए माखन छींके से निकालना संभव नहीं है।

प्रश्न 6- दिए गए काव्यांश में श्रीकृष्ण माँ यशोदा से क्या कहना चाहते हैं?

उत्तर - श्री कृष्ण माता यशोदा से कहते हैं कि हे माता आप बहुत ही भोली-भाली हो तभी तो इन ग्वाल-बालों की बात मान लेती हो। आप अपनी लाठी और कंबल ले लो इन्होंने मुझे बहुत ही परेशान कर रखा है। माँ यशोदा कृष्ण की बातों पर हँस पड़ती है और उन्हें गले लगा लेती हैं।

शब्दार्थ :

माखन – मक्खन (दूध से बना पदार्थ) । भोर- प्रातः । गैयन – गौओं । पाछे-पीछे। मधुबन – ब्रजभूमि के एक वन का नाम । बंसीवट – बरगद का वह पेड़ जिसके नीचे श्रीकृष्ण वंशी बजाते थे। साँझ साँयकाल (शाम को) । बहियन – हाथ | छीको – खूँटी आदि में लटकाया जाने वाला एक उपकरण (जैसे- हँड़िया छीका पर लटका देना। ग्वाल- अहीर, गोपालक | बैर-शत्रु, दुश्मन । बरबस – जबरदस्ती (बलपूर्वक किया गया कार्य) । लपटायो – लगाना । भोरी – भोली । कहे कहने में। पतियायो विश्वास करना, सच समझ लेना । जिय- हृदय भेद-संशय, शंका। उपजि – उत्पन्न होना। पराया- दूसरा । लकुटि लाठी । कमरिया – कंबल । बिहँसि – हँसकर । उर – हृदय । कंठ – गला ।